सिटी light
www.dainiknavajyoti.com
सच्चा हमसफर

2
गुरुवार
कोटा, 22 फरवरी, 2018
FOR FEEDBACK
dainik navajyoti (@NavajyotiDainik)
Dainik Navajyoti
dainiknavajyoti22@gmail.com

मौसम

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
	33.4	16.0

पूर्वानुमान

कल सूर्योदय	आज सूर्यास्त	आर्द्रता
7.01	5.44	प्रातः 39 % सायं 25

दैनिक नवज्योति

सीएस फाउंडेशन की परीक्षा में कोटा की आयशा ने मारी बाजी

दिसंबर में आयोजित हुई थी परीक्षा

नवज्योति/कोटा

भारतीय कंपनी सचिव संस्थान की ओर दिसंबर में आयोजित सीबीई आधारित फाउंडेशन कार्यक्रम का परीक्षा परिणाम बुधवार को जारी कर दिया गया है। कोटा केंद्र का परीक्षा परिणाम 76 प्रतिशत रहा।

कोटा केंद्र से कुल 75 विद्यार्थियों में से 57 उतीर्ण हुए। सेंटर मेरिट लिस्ट में कोटा की तीन छात्रों ने कब्जा जमाया है। वहीं, ऑल इंडिया टॉप 25 रैंक में कोटा की आयशा को 23वीं रैंक मिली है, जबकि कोटा केंद्र में पहली रैंक रही है। आयशा ने 81.50 प्रतिशत के साथ 326 अंक हासिल किए। कोटा से दूसरे स्थान पर चारूल जैन रही। उसने 76.50 प्रतिशत के साथ 306 अंक हासिल किए। तीसरे स्थान पर सौरभ जैन रहे। उन्होंने 75.50 प्रतिशत के साथ 302 अंक हासिल किए। परिणाम आने के बाद कोचिंग संस्थानों में जश्न का माहौल रहा। उत्तीर्ण विद्यार्थियों का माला पहनाकर मुंह मीठा करवाया। परिणाम के बाद से ही टॉपर्स छात्राओं के परिवारजनों के मोबाइलों पर दिनभर बधाई के संदेश आते रहे। इस अवसर पर कोटा चेप्टर ऑफ आईसीएसआई के चेयरपर्सन कल्पना जैन, वाइस चेयरमैन राहुल जैन, सचिव पूजा मांघनानी और चेप्टर इंचार्ज राजू कुमार ने सफल छात्रों को बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

ऑल इंडिया स्तर पर 23वीं रैंक हासिल करने वाली आयशा का मुंह मीठा करते परिजन। -एचजी

आयशा कोटा केंद्र की मेरिट लिस्ट में अव्वल, ऑल इंडिया रैंक में 23वां स्थान

मजदूर की बेटी ने नहीं मानी हार

ऑल इंडिया में कोटा की आयशा ने भारतीय कंपनी सचिव संस्थान की परीक्षा में 23वीं रैंक हासिल की। आयशा गरीब परिवार से है। उसके पिता मोहम्मद फारूक मजदूरी का काम करते है। माता-पिता दोनों ही निरक्षर है। शुरू से अभाव में जिंदगी गुजारने के बाद भी आयशा ने हार नहीं मानी। उसने इसके लिए 12 घंटे तक पढ़ाई की। इससे उसका सपना आज साकार हो सका।

इनका कहना है...

मेरी सफलता के पीछे बड़े भाई वसीम अकरम है। वे मेरे लिए अपनी पढ़ाई छोड़कर काम करने लगे। उन्होंने अपना सारा पैसा मेरी पढ़ाई में लगा दिया। माता-पिता ने भी भरपूर सहयोग किया। हमारे परिवार में लड़कियों की शादी जल्दी कर देते है, लेकिन मेरी इच्छा को ध्यान में रखते हुए शादी नहीं करके पढ़ाया, जिसका परिणाम सबके सामने है।

- आयशा, ऑल इंडिया रैंक-23

मेरी सफलता में माता-पिता का बहुत बड़ा योगदान रहा। मैं रोजाना कोचिंग से पढ़कर आने के बाद वहां पढ़ाए गए नोट्स को रिव्यू करती। उसके बाद नियमित रूप से 5-6 घंटे अध्ययन किया।

-चारूल जैन, द्वितीय रैंक, कोटा

इसके लिए मैंने रोजाना 5 घंटे तक नियमित पढ़ाई की और कोचिंग में पढ़ाए जाने वाले विषय को गहराई से रिव्यू किया।

- सौरभ जैन, तृतीय रैंक कोटा